प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने के मामले में जोधपुर में हॉस्पिटल का ऑपरेशन थियेटर सील

कलैक्टर ने जोधपुर शहर के जिला अस्पताल, पावटा अस्पताल का निरीक्षण किया

जोधपुर, (कासं)। कोटा और बीकानेर के बाद अब जोधपुर शहर के जिला अस्पताल, पावटा में सिजेरियन ऑपरेशन से आठ महिलाओं की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद से चिकित्सा विभाग में हड़कंप मच गया। गत बीस जून को हुए इन ऑपरेशन के बाद छह महिलाओं में सेप्टीसीमिया (खून में संक्रमण) और दो महिलाओं की किडनी खराब होने की गंभीर समस्या सामने आई। पूरी घटना के बाद अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर को सील कर दिया गया है और मामले की उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी गई है।

- **गत बीस जून को हुए ऑपरेशन के बाद छह महिलाओं में खून में संक्रमण और दो महिलाओं की किडनी खराब होने की गंभीर समस्या सामने आई थी**

जानकारी के अनुसार बीस जून को यह घटना सामने आई थी। उसी दिन चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर जोधपुर में स्वास्थ्य सुविधाओं का उद्घाटन कर रहे थे, लेकिन मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने शुरुआत में इस बात को छुपाए रखा। इधर घटना के खुलासे के बाद आज जिला कलैक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट आलोक रंजन ने स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर अस्पताल का निरीक्षण किया। जिला कलैक्टर आलोक रंजन ने अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्थाओं, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा हाल ही में प्रसूताओं के स्वास्थ्य से जुड़े घटनाक्रम की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार मिश्रा भी उपस्थित रहे। जिला कलैक्टर ने मरीजों के उपचार एवं सुरक्षा में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरतने तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. बीएस जोधा, एमडीएम अस्पताल के अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र सिंह शेखावत, पावटा जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलबीर चौपड़ा सहित अन्य वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की।

समीक्षा बैठक के उपरांत जिला कलैक्टर आलोक रंजन ने जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार मिश्रा के साथ पावटा जिला अस्पताल पहुंचकर चिकित्सा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों से 20 जून को सिजेरियन ऑपरेशन के उपरांत कुछ प्रसूताओं के स्वास्थ्य प्रभावित होने की घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि गंभीर स्थिति वाली दो प्रसूताओं सोनू एवं ललिता को बेहतर उपचार के लिए तत्काल डॉ. एस.एन. मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में रेफर किया गया था, वहां से ललिता को एम्स जोधपुर रेफर किया गया है, जबकि पावटा जिला अस्पताल में भर्ती शेष छह प्रसूताएं तस्लीम, पायल, संतोष, प्रियंका, गट्टूकंवर एवं नंदू कंवर की स्वास्थ्य स्थिति सामान्य है तथा उनके सभी वाइटल पैरामीटर्स संतोषजनक पाए गए हैं।

अस्पताल के पीएमओ डॉ. कुलबीर सिंह ने बताया कि जब तक जांच की रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक पावटा अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर को पूरी तरह बंद रखने का फैसला किया गया है, ताकि अन्य मरीजों को कोई खतरा न हो। इस दौरान जिन मरीजों को सिजेरियन या अन्य ऑपरेशन की जरूरत होगी, उन्हें अस्पताल की एंबुलेंस के जरिए पास के दूसरे सरकारी अस्पतालों में सुरक्षित रेफर किया जा रहा है।

डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बीएस जोधा ने बताया कि सिजेरियन वाले मरीज अक्सर एनीमिक (खून की कमी) या अन्य बीमारियों के कारण शारीरिक रूप से कमजोर होते हैं। अत्यधिक गर्मी के मौसम में बैक्टीरिया बहुत तेजी से पनपते हैं, जो इस संक्रमण की वजह हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन थिएटर (ओटी) की सभी चीजों, स्प्रिट और ग्लूकोज के केमिकल सैंपल लिए गए हैं। एहतियात के तौर पर पावटा अस्पताल के ओटी को तीन-चार दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। इस दौरान जिन मरीजों को सिजेरियन की जरूरत होगी, उन्हें एमडीएम अस्पताल शिफ्ट किया जाएगा।

हॉस्पिटल के पीएमओ डॉक्टर कुलबीर चोपड़ा ने बताया कि सरकार ने जांच कमेटी गठित की है। इसमें डॉक्टर्स और ड्रग इंस्पेक्टर सहित अन्य लोग शामिल हैं। यह कमेटी सैंपल्स की जांच कर रही है। वहीं, सिजेरियन प्रक्रिया के दौरान इस्तेमाल की गई दवाओं पर तुरंत प्रभाव से रोक लगा दी गई है।

जमीन विवाद को लेकर हुए खूनी संघर्ष में सात घायल

खेतड़ी, (निसं)। उपखंड क्षेत्र की रामकुमारपुरा ग्राम पंचायत की काजर वाली ढाणी में रविवार देर शाम जमीन विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। एक ही परिवार के दो चचेरे भाइयों के पक्षों के बीच हुए विवाद में जमकर लाठियां और कुल्हाड़ियां चलीं, जिससे दोनों पक्षों के सात लोग घायल हो गए।

- **जमीन विवाद में एक ही परिवार के दो चचेरे भाइयों के पक्ष आमने-सामने हुये**
- **घायलों को खेतड़ी के राजकीय अजीत उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया**

जानकारी के अनुसार काजर वाली ढाणी में लंबे समय से जमीन को लेकर एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच विवाद चला आ रहा था। रविवार शाम विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई। संघर्ष के दौरान एक-दूसरे पर लाठियों और कुल्हाड़ियों से हमला किया गया, जिससे कई लोग घायल हो गए। थानाधिकारी मोहनलाल ने बताया कि झगड़े में एक पक्ष के नागरमल (63), दिलीप (25) और राजू (34) तथा दूसरे पक्ष की नाराणी देवी (80), श्योकरण (30), विजेश (25) और कमलेश (30) घायल हो गए। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घायलों को खेतड़ी के राजकीय अजीत उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल नागरमल को जयपुर तथा दिलीप को नीमकाथाना रेफर किया गया, जबकि अन्य घायलों का उपचार खेतड़ी अस्पताल में जारी है। घटना की सूचना मिलते ही खेतड़ी पुलिस थाना टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने दोनों पक्षों से बातचीत कर हालात को शांत कराया।

थानाधिकारी मोहनलाल ने बताया कि फिलहाल दोनों पक्षों में से किसी ने भी थाने में लिखित रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है। रिपोर्ट मिलने के बाद मामला दर्ज कर नियमानुसार जांच और आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

डूंगरपुर के रतनपुर बॉर्डर पर 30 लाख की शराब पकड़ी

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में बिछीवाड़ा पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए राजस्थान-गुजरात सीमा पर रतनपुर बॉर्डर से 30 लाख रुपए मूल्य की अंग्रेजी शराब जब्त की है। बिछीवाड़ा पुलिस सूत्रों के अनुसार एनएच 48 पर नाकाबंदी के दौरान एक बंद बॉडी कंटेनर से 252 कार्टन अवैध शराब बरामद की गई। शराब को प्लास्टिक के बकेट और टेबलों की आड़ में छिपाकर गुजरात ले जाया जा रहा था। पुलिस ने मौके से कंटेनर ड्राइवर समेत दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है और पूरे नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है।

- **बंद बॉडी कंटेनर से 252 कार्टन शराब बरामद कर दो जनों को गिरफ्तार किया**
- **शराब को प्लास्टिक के बकेट और टेबलों की आड़ में गुजरात ले जाया जा रहा था**

जानकारी के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि उदयपुर की ओर से आ रहे एक बंद बॉडी ट्रक कंटेनर में अवैध अंग्रेजी शराब गुजरात ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस ने संदिग्ध कंटेनर को रुकवाकर उसकी तलाशी ली। शुरुआती जांच में कंटेनर के अंदर प्लास्टिक के बकेट और टेबल भरे हुए दिखाई दिए। हालांकि पुलिस को शक होने पर सामान हटाकर गहन जांच की गई। तलाशी के दौरान पीछे सफेद प्लास्टिक के कट्टों और कार्टनों में छिपाकर रखी गई विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पुलिस ने कंटेनर से 252 कार्टन अंग्रेजी शराब जब्त की। बरामद कार्टनों पर फॉर सेल ओनली इन हरियाणा और फॉर सेल ओनली इन चंडीगढ़ अंकित था। पुलिस के अनुसार जब्त शराब की अनुमानित बाजार कीमत करीब 30 लाख रुपए है। पुलिस ने शराब और तस्करी में प्रयुक्त कंटेनर को जब्त कर लिया। वहीं बाडमेर निवासी कंटेनर ड्राइवर गणेश गोदारा और उसके साथी धर्माराम जाट को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि शराब कहां से लाई गई थी और इसे गुजरात में किसे पहुंचाया जाना था।

पैंथर के आतंक से ग्रामीण भयभीत

करौली, (निसं)। पैंथर के आतंक से डाबरा ग्राम पंचायत के ग्रामीण भयभीत हैं। पैंथर को रेस्क्यू कर सपोटरा के डाबरा ग्राम पंचायत के भयभीत ग्रामीणों को राहत दिलाने की ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों से मांग की।

ग्राम पंचायत डाबरा के ग्रामीण जयप्रकाश लेखराज, राजेश, प्रदीप, हेमराज, राजकुमार, श्रीफल, सियाराम, भंवर सिंह, विनोद, मोहर सिंह आदि ने वन विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंप कर ग्राम पंचायत में पैंथर के आतंक की जानकारी देते हुए बताया कि पैंथर क्षेत्रपाल धाम मंदिर के पास दो श्वानों को शिकार बना चुका है। उन्होंने बताया कि पैंथर पहाडी क्षेत्र में विचरण करता था लेकिन अब कुछ दिनों से आबादी क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है, जिससे आबादी क्षेत्र के लोग पूर्ण रूप से भयभीत हैं। उन्होंने बताया कि यदि वन विभाग अधिकारियों ने पैंथर को शीघ्र रेस्क्यू नहीं किया गया तो पैंथर बड़े हादसे को भी अंजाम दे सकता है।

डीडवाना के राजकीय बांगड़ अस्पताल में प्रसूता व गर्भस्थ शिशु की मौत

डीडवाना, (निसं)। जिले के सबसे बड़े बांगड़ जिला अस्पताल में सोमवार की सुबह तबीयत बिगड़ने से एक प्रसूता की अचानक मौत हो गई। वहीं प्रसूता के साथ ही उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की भी मौत हुई है। प्रसूता को सोमवार सुबह ही डिलीवरी के लिए बांगड़ अस्पताल लाया गया था, इसी दौरान अचानक तबियत बिगड़ने से प्रसूता की मौत हो गई। इस मामले में परिजनों ने डॉक्टरो और अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए खुनखुना पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया है।

- **परिजनों ने अस्पताल के चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाया**
- **पीएमओ के अनुसार मृतका को प्रसव के दौरान दौरा पड़ा, जिससे उसकी मौत हो गई**

जानकारी के अनुसार मोनिका पत्नी भरत सिंह को सोमवार सुबह 6 बजे प्रसव पीड़ा होने पर बांगड़ जिला अस्पताल लाया गया था। इस दौरान जब उसे लेबर रूम में ले जाया जा रहा था, तभी अचानक दौरा पड़ने से तबीयत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। प्रसूता की अचानक मौत से परिजनों में आक्रोश व्याप्त हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब प्रसूता की तबीयत बिगड़ी तब मौके पर डॉक्टरों ने उसका सही इलाज नहीं किया। बल्कि इलाज में देरी ओर लापरवाही बरती, जिसके कारण प्रसूता की मौत हो गई।

परिजनों का कहना है कि मृतक मोनिका मात्र 22 साल की थी और यह उसकी पहली डिलीवरी थी। इस मामले में परिजनों ने पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। वहीं दूसरी ओर अस्पताल प्रशासन ने लापरवाही के आरोपों से इनकार किया है।

अस्पताल प्रशासन कहना है कि मृतक प्रसूता को पहले से दौरा आने की गंभीर बीमारी थी। जब उसकी डिलीवरी होने वाली थी, तभी अचानक उसे दौरा आ गया और उसकी मौत हो गई। अब इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है, वही मृतका के शव के पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है। अब पोस्टमार्टम के बाद ही मृतका की मौत की पुष्टि हो सकेगी।

इस मामले को लेकर पीएमओ अजीत सिंह शेखावत ने बताया के प्रसूता को खुनखुना से डीडवाना जिला अस्पताल लाया गया था, जहां ऑन ड्यूटी डॉक्टर ने उनका इलाज किया पीएमओ का कहना है कि प्रसूता के दौरा पड़ने लगा इस दौरान डॉक्टर को इलाज करने का समय भी नहीं मिला जो संभव डॉक्टर कर सकते थे उन्होंने इलाज किया, मगर प्रसूता को नहीं बचा सके और प्रसूता की मौत हो गई और नवजात को भी नहीं बचा सके।

नाकाबंदी तोड़ भाग रहे दो बदमाशों को पकड़ा

सुलताना/झुंझुनूं, (निसं)। जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सुलताना पुलिस थाना एवं जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी के दौरान एक हिस्ट्रीशीटर सहित दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस तथा प्रयुक्त स्विफ्ट कार जब्त की है। गिरफ्तार मुख्य आरोपी के खिलाफ चूरू और बीकानेर जिलों में कुल आठ आपराधिक मामले दर्ज होना सामने आया है।

पुलिस के अनुसार 21 जून की रात थाना सुलताना पुलिस एवं डीएसटी की टीम चनाना क्षेत्र में नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि लोयल की ओर से एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार में दो युवक आ रहे हैं, जिनके पास अवैध हथियार हो सकते हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने वाहन पर नजर रखनी शुरू कर दी। कुछ देर बाद संदिग्ध स्विफ्ट कार नाकाबंदी स्थल पर पहुंची। पुलिस द्वारा रूकने का संकेत देने पर चालक ने वाहन रोकने के बजाय कार को वापस मोड़ लिया और तेज गति से फरार होने का प्रयास किया। इस पर पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए पीछा शुरू किया और आगे-पीछे से घेराबंदी कर वाहन को रुकवा लिया। कार रूकते ही उसमें सवार दोनों युवक अंधेरे का फायदा उठाकर भागने लगे, लेकिन पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उन्हें दबोच लिया। पूछताछ में उन्होंने अपनी पहचान विजेन्द्र सिंह पुत्र सुमेर सिंह निवासी सोमणसर, थाना भालेरी, जिला चूरू तथा विरेन्द्र सिंह पुत्र नारायण सिंह निवासी सोमणसर, थाना भालेरी, जिला चूरू के रूप में बताई। पुलिस नाकाबंदी देखकर भागने के कारण पूछने पर दोनों युवक घबरा गए और कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। संदेह होने पर उनकी तलाशी ली गई, जिसमें एक अवैध देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। हथियार का लाइसेंस मांगने पर आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अवैध हथियार स्विफ्ट कार को जब्त कर लिया।

सड़क हादसे में पति-पत्नी और बेटे की मौत

जोधपुर, (कासं)। बोरुंदा कस्बे के जोधपुर जिले की सीमा के पास मेड़ता सिटी-नागौर जिले के बीटन में हुए ट्रेलर-कार हादसे में पति-पत्नी और बेटे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं ट्रेलर कार को करीब 50 फीट घसीटते हुए पांच फीट की दीवार तोड़ते हुए एक मकान में घुस गया। एक बच्ची को गंभीर हालत में जोधपुर रेफर किया गया है।

बोरुन्दा थानाधिकारी सुजानाराम विश्नोई ने बताया कि रविवार दोपहर बाद एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और एक मासूम गंभीर रूप से घायल हो गई। बोरुन्दा से बिटन गांव की ओर जाने वाले स्टेट हाईवे 21 पर एचपी पेट्रोल पंप के पास हुई टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के समय कार में चार लोग सवार थे, जिनमें से श्रीनिवास यादव (35), पत्नी रीनु (32), पुत्र जयंत यादव (7) की मौत हो गई है। वहीं मृतक की पुत्री प्राची (10) को घायलावस्था में जोधपुर रेफर किया गया है।

सूने मकान से लाखों रुपये के जेवर चोरी

अजमेर, (कासं)। शहर में सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के घूघरा स्थित हनुमान नगर में अज्ञात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। घटना के समय मकान मालिक अपने पिता के इलाज के लिए जयपुर गए हुए थे। घर खाली होने का फायदा उठाकर बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए।

पीड़ित नरेन्द्र सिंह पुत्र जुगल सिंह ने सिविल लाइंस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट के अनुसार वे अपने पिता के उपचार के लिए जयपुर के एक निजी अस्पताल में गए हुए थे। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उनके मकान पर नजर रखी और मौका पाकर मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर में प्रवेश कर गए। इसके बाद बदमाशों ने घर के तीन कमरों की बारीकी से तलाशी ली। चोरों ने कमरों में रखी अलमारियों और सामान को खंगाल डाला। अलमारियों में रखे सोने की चेन, अंगूठियां, चांदी के आभूषण सहित अन्य कीमती जेवरात चोरी कर लिए। चोरी के बाद आरोपी आराम से मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी तब सामने आई जब आसपास रहने वाले लोगों ने मकान के टूटे हुए ताले देखे। पड़ोसियों को शक होने पर उन्होंने तुरंत मकान मालिक नरेन्द्र सिंह को सूचना दी। सूचना मिलते ही नरेन्द्र सिंह जयपुर से अजमेर पहुंचे। घर पहुंचकर उन्होंने देखा कि कमरों का सामान बिखरा पड़ा था और अलमारियों में रखे जेवरात गायब थे। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर सिविल लाइंस थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले को देखते हुए एफएसएल और एमओबी टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए।

50 लाख की रंगदारी मांगने के मामले में दूसरा आरोपी भी गिरफ्तार

झुंझुनूं/बगड़, (निसं)। जिले के बगड़ थाना क्षेत्र में लीज संचालक से 50 लाख रूपये की रंगदारी मांगने और परिवार सहित जान से मारने की धमकी देने के चर्चित मामले में पुलिस ने फरार चल रहे दूसरे आरोपी राहुल उर्फ कालू को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले मामले के मुख्य आरोपी एवं हार्डकोर हिस्ट्रीशीटर नितिश उर्फ नितेश उर्फ ब्लैक उर्फ कालू को गिरफ्तार किया जा चुका है। बगड़ थाना प्रभारी गोपाल सिंह थालोर के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की।

- **लीज संचालक को जान से मारने की धमकी देकर फिरौती मांगी थी**
- **मामले के मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर नितिश को गिरफ्तार किया जा चुका है**

पुलिस के अनुसार माखर निवासी अरविन्द कुमार ने 5 जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह पहाड़ी क्षेत्र में पत्थर खनन की लीज पर कार्य करता है। 2 जून को उसके व्हाट्सएप नंबर पर आरोपियों ने संपर्क कर 50 लाख रूपये की रंगदारी मांगी। आरोपियों ने धमकी दी कि यदि रकम नहीं दी गई तो उसे और उसके परिवार को जान से मार दिया जाएगा। साथ ही पुलिस अथवा प्रशासन से शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी भी दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीमों का गठन कर आरोपियों की तलाश शुरू की। टीमों ने संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। गोपनीय सूचना के आधार पर मुख्य आरोपी नितिश उर्फ ब्लैक को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। वहीं सोमवार को फरार चल रहे दूसरे आरोपी राहुल उर्फ कालू पुत्र सुरेश पुनिया निवासी माखर को भी दस्तयाब कर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी गहन जांच की जा रही है।

शराब परिवहन करते दो जनों को पकड़ा

टोंक, (निसं)। अवैध मादक पदार्थ व शराब की रोकथाम अभियान के तहत निवाई सदर पुलिस टीम ने आरोपी सुरेश कुमार पुत्र हरफुल मीणा निवासी बहकवा थाना निवाई को अवैध देशी शराब परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया। वहीं उसके कब्जे से 53 पव्वे जब्त किये गये। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है। इसी प्रकार इस विशेष अभियान के तहत उनियारा थानाधिकारी राजकुमार के नेतृत्व में पुलिस गठित थाना टीम ने कंजर बस्ती चौरु के पास से देशी शराब परिवहन करते आरोपी लियाकत अली पुत्र ईदा खान निवासी कंजर बस्ती चौरु थाना अलीगढ़ को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध देशी शराब के 48 पव्वे जब्त किये। मुल्जिम के विरुद्ध आबकारी अधिनियम में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

अंतर्राज्यीय सायबर ठग को झारखंड से दबोचा

करौली, (निसं)। पुलिस ने झारखंड के धनबाद जिले के हरिहरपुर से सायबर ठगी के आरोपी अंसारी पुत्र नसीम अख्तर निवासी चोरापट्टी थाना हरिहरपुर झारखंड से गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल ने बताया कि परिवादी ने इलाज के लिए डॉक्टर की अपॉइंटमेंट लेने के लिए गूगल से नंबर लिया। सायबर अपराधियों द्वारा गूगल पर अपना फेक नंबर डालने से परिवादी से अपराधी से संपर्क करने पर अपराधी द्वारा अपॉइंटमेंट के नाम पर पैसे डलवाने और ओटीपी प्राप्त करने का प्रयास किया, जब सफल नहीं हुआ तो मोबाइल पर डॉट एपीके फाइल भेजकर परिवादी के मोबाइल फोन को हैग करके परिवादी के खाते से 316230 रुपये उड़ा लिए गए। जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि परिवादी रामकेश जाटव द्वारा अपने साथ सायबर ठगी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी जिस पर मुकदमा दर्ज कर गठित पुलिस टीम ने आरोपी अंसारी पुत्र नसीम अख्तर अंसारी निवासी चोरापट्टी थाना हरिहरपुर जिला धनबाद झारखंड को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। उन्होंने बताया कि इसी प्रकरण में पूर्व में आरोपी भवानी सिंह मीणा विक्रम सिंह मीणा विष्णु मीणा उर्फ काला को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि आरोपी से उसके अन्य सहयोगियों के बारे में गहनता से अनुसंधान जारी है। जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी की सामूहिक रूप से अवैध समूह बनाकर सायबर अपराध से संबंधित 520 बारदातों में लिप्त होने वाले पूर्व गिरफ्तारसुदा आरोपियों से सांठगांठ पाई गई है।

नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल में सेंध लगाकर लाखों का घोटाला करने का खुलासा

अजमेर, (कासं)। अजमेर पुलिस ने नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल के जरिए सरकारी खजाने में लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले एक बड़े अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में तकनीकी खामियों का फायदा उठाकर फर्जी तरीके से छात्रवृत्तियां उठाने वाले दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से भारी मात्रा में सिम कार्ड, फिंगरप्रिंट मशीनें, लैपटॉप और हजारों की संख्या में अन्य डिजिटल दस्तावेज बरामद किए हैं।

अजमेर पुलिस ने पश्चिम बंगाल के दो शातिरों को गिरफ्तार किया।

- **पोर्टल पर गलत जानकारियां फीड की गईं और फर्जी दस्तावेज अपलोड कर राजकोष से लाखों रुपये की फर्जी तरीके से छात्रवृत्तियां उठाई**
- **पुलिस ने पश्चिम बंगाल के आरोपियों से भारी मात्रा में सिम कार्ड, फिंगरप्रिंट मशीनें, लैपटॉप और हजारों की संख्या में अन्य डिजिटल दस्तावेज बरामद किए**

अजमेर सीओ नॉर्थ शिवम जोशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 2 जून 2025 को जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा सिविल लाइंस थाने में एक रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इस रिपोर्ट में उल्लेख किया गया था कि वर्ष 2021-22 और 2022-23 के दौरान भारत सरकार के अल्पसंख्यक मामलात विभाग द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्तियों में भारी गड़बड़ी हुई है। अजमेर के करीब 30 शिक्षण संस्थानों के नाम पर नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर गलत जानकारियां फीड की गईं और फर्जी दस्तावेज अपलोड कर राजकोष से लाखों रुपये की छात्रवृत्ति उठा ली गई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। चूंकि यह मामला बेहद गंभीर था और इसकी मॉनिटरिंग राज्य स्तर पर भी की जा रही थी, इसलिए अजमेर एसपी और एडिशनल एसपी के निर्देश पर एक विशेष जांच दल का गठन किया गया।

सीओ नॉर्थ ने आरोपियों के काम करने के तरीके का खुलासा करते हुए बताया कि कोरोनाकाल के दौरान स्कॉलरशिप से जुड़ी सारी प्रक्रियाएं ऑनलाइन कर दी गई थीं, जिसका इन अपराधियों ने भरपूर फायदा उठाया। आरोपी इंटरनेट के जरिए अजमेर के अलग-अलग स्कूलों और शिक्षण संस्थानों के नाम व उनके 'डाइस कोड' हासिल कर लेते थे। नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल की तकनीकी खामी (बग) का फायदा उठाकर आरोपी पोर्टल पर खुद ही मोबाइल नंबर दर्ज कर खुद को उस स्कूल का संस्था प्रधान (प्रिंसिपल) दर्शा देते थे। इसके बाद वे खुद ही फर्जी छात्रों के नाम से स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करते और संस्था प्रधान के रूप में खुद ही उन आवेदनों का वेरिफिकेशन भी कर देते थे। चूंकि पोर्टल से वेरिफिकेशन हो जाता था, इसलिए उच्च स्तर से भी यह पास हो जाता था। आरोपी लोगों को अंधेरे में रखकर फर्जी बैंक खातों का इस्तेमाल करते थे। पकड़े जाने से बचने के लिए ये लोग चांस फिंगरप्रिंट मशीन की मदद से खाताधारकों के थंब और फिंगर इंप्रेशन ले लेते थे, जिससे ओटीपी आधारित ट्रांज़ैक्शन बेहद आसानी से हो जाते थे।

पुलिस की एसआईटी ने इस मामले में पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले से दो पेशेवर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान पश्चिम बंगाल निवारी तबीबार रहमान और शाहनवाज के रूप में हुई है। पुलिस इन दोनों को वहां से ट्रांजिट रिमांड पर अजमेर लेकर आई है और फिलहाल इनका पीसी रिमांड प्राप्त कर आगे की पूछताछ की जा रही है। जांच के दौरान आरोपियों के लेपटॉप से करीब 2100 विभिन्न बैंक खातों की डिटेल, 1000 से अधिक चांस फिंगरप्रिंट, करीब 2000 लोगों के आधार कार्ड फोटो और 1500 से अधिक स्टांप पेपर की प्रतियां मिली हैं।

सीओ नॉर्थ शिवम जोशी ने बताया कि बरामद दस्तावेजों और बैंक खातों की संख्या से साफ है कि ये दोनों पेशेवर अपराधी हैं और बड़े पैमाने पर इस तरह के फर्जीवाड़े को अंजाम दे रहे थे। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों से इस बात का पता लगाया जा रहा है कि इस गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं और अब तक इन्होंने कुल कितने रुपये का गबन किया है।

मजदूर के शव का तीसरे दिन हुआ पोस्टमार्टम

डूंगरपुर, (निसं)। परिवार की सहमति के बाद डूंगरपुर जिले के रामसागड़ा थाना क्षेत्र में मजदूर सुखराम पुत्र सोना आमालिया की हत्या के मामले में तीसरे दिन शव का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों की सहमति के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कर शव उनके सुपुर्द कर दिया।

- **परिजनों की सहमति के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव उनके सुपुर्द किया**

पुलिस के अनुसार मृतक सुखराम निवासी रेटा जुडा और आरोपी विश्राम पुत्र मोतीलाल आहारी गुजरात में एक साथ मजदूरी करते थे। करीब डेढ़ महीने पहले गुजरात में दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। गांव लौटने के बाद भी दोनों के बीच मनमुटाव बना रहा और समय-समय पर कहासुनी होती रही। पुरानी रंजिश के चलते आरोपी विश्राम ने 19 जून को सुखराम पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल सुखराम को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। प्रशासन ने नियमानुसार सरकारी सहायता दिलाने का भरोसा दिया, जिसके बाद परिजन पोस्टमार्टम कराने के लिए राजी हुए। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के सभी पहलुओं की पुलिस जांच कर रही है।